राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

RNI NO. MAHHIN/2011/24374

▸ वर्ष : १० ▸ अंक: १५ ▸ मुंबई, शुक्रवार, ११ दिसम्बर से १७ दिसम्बर २०२० ▸ पृष्ठ: ४ ▸ मुल्य : २/- रु.

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार, (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

मांगें नहीं माने जाने तक जारी रहेगा हमारा आंदोलन : राकेश टिकैत

नई दिल्ली। नए कृषि कानूनों के खिलाफ सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर किसानों का विरोध प्रदर्शन आज 15वें दिन भी जारी है। सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर चुके किसान अपनी मांगों को लेकर किसी भी सूरत में झुकने को तैयार नहीं हैं। किसानों ने सरकार से जल्द उनकी मांगे मानने की अपील की है। किसानों को आशंका है कि इन कानूनों के कारण न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) समाप्त हो जाएगा। एक किसान ने कहा कि (शेष पेज 2 पर)

किसान आंदोलन भारत में और परेशान हो उठा पाकिस्तान

नई दिल्ली,
भारत में इन दिनों कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग के साथ कई किसान संगठन आंदोलन कर रहे हैं। किसानों का यह आंदोलन भले ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हो रही है, लेकिन इसने इस्लामाबाद में बैठे पाकिस्तान के हुक्मरानों के माथे पर चिंता और डर की लकीरें खींच दी हैं। पाकिस्तान को डर है कि भारत

सरकार किसान आंदोलन से लोगों का (शेष पेज 2 पर)

यह कहानि नहीं हकिकत है
हर पल टाइम्स की खास खबर

Har pal tv news.cmw.cin. chief news Editor.Jameel g khan.Mumbai India.

१) हिंदुस्तान की जनता १० महिने से परेशान है पहले करोना से जनता परेशान हो गई है, रोजी चली गई जनता के हालात जादा खराब हो गये, हर चीज के लिए तकलिफ उठानी पड़ रही है केंद्र सरकार कोई मदद नहीं कर रही है जनता की समस्याओं को कोन हल करेंगा?

२) जनता की जिम्मेदारी सरकार पर जाती हैं

३) आज तक ६५ साल में कभीभी ऐसा वक्त नहीं आया करोना में सारे देश में जनता को मुसलमान समाज ने बहुत मदद की रोड़ पर आकर दिन रात परेशान होकर खाना और बहुत सी चीजों की मदद पहुंचाई और आज भी कई जगहों पर पहुंचा रहे हैं।

४)खास बात यह हैं की कई लोगों की जानें चली गई और देश में आरएसएस वाले हिंदु मुस्लिम को लड़ाने की बात कर रहें है और सरकार सिर्फ हिंदु का साथ दे रही हैं। वजह यह है कि हिंदुत्व राज बनाने की बात की जा रही है। सरकार क्या चाहती है और जनता को क्या करना चाहिए। आज जनता बहुत परेशान होकर एक एक दिन मुश्किल के गुजार रही है।

५) हमारे पीएम नरेंद्र मोदी जी का कहना है कि सब का साथ सब का विकास इसको क्या समजा जाए।

रोशनी कानून रद्द करने के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर 21 दिसंबर को फैसला करे अदालत: SC

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट को राज्य की भूमि का अधिकार उसके निवासियों को प्रदान करने वाले रोशनी कानून को निरस्त करने के आदेश को चुनौती देने वाली पुनर्विचार याचिकाओं पर 21 दिसंबर को फैसला करने के लिए कहा है। न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि वह हाईकोर्ट के नौ अक्टूबर के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जनवरी के अंतिम सप्ताह में सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति एन वी रमन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने जम्मू कश्मीर प्रशासन की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के मौखिक आश्वासन पर गौर किया कि मामले में शीर्ष अदालत का रूख करने वाले याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी क्योंकि वे भूमि हड़पने वाले या अनधिकृत लोग नहीं हैं। मेहता ने अदालत को बताया कि केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर पहले ही उच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर चुका है और कहा कि प्राधिकार योग्य और आम लोगों के खिलाफ नहीं है (शेष पेज 2 पर)

किसान आंदोलन के दौरान कैसी है अन्नदाता की तबीयत, पता लगाने के लिए खोले 50 से ज्यादा शिविर

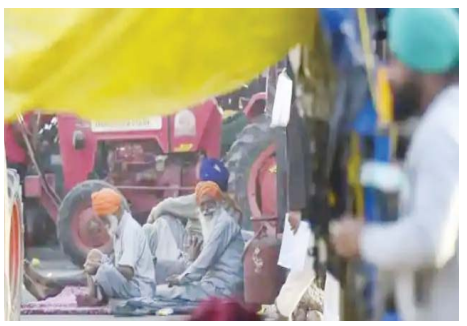

नई दिल्ली,
देश में चल रहा किसानों का विरोध प्रदर्शन हर दिन नया रूप ले रहा है। किसान केंदें के नए कृषि कानूनों का कमकर विरोध कर रहे हैं। टैक्ट्रों में सोना, रास्ते पर खाना सभी मुश्कलों का सामने कर रहे किसान पूरी तैयारी के साथ ये प्रदर्शन करने के लिए आएं है। उनके समर्थन में कई लोग मदद करने के लिए उतर आए है।

दिल्ली के सिंघू बॉर्डर पर नकिसान पिछले 14 दिनों से सर्दियों में बैठे हैं। इसी जगह पर 50 से अधिक मुक्त चिकित्सा शिविर सामने आए हैं। जहां आंदोलनकारी किसानों को मुफ्त दवाएं और एम्बुलेंस सेवाएं भी प्रदान की जा रही हैं। यूनाइटेड सिख (शेष पेज 2 पर)

शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक धनशोधन मामले में ईडी के सामने पेश

मुंबई , महाराष्ट्र में शिवसेना के विधायक प्रताप सरनाईक धनशोधन के एक मामले की जांच के संबंध में बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। सरनाईक (56) बल्लार्ड एस्टेट इलाके में एजेंसी के कार्यालय में पूर्वाह्न करीब 11 बजे पहुंचे। यह मामला सुरक्षा सेवा प्रदाता कंपनी टॉप्स सिक्यूरिटी ग्रुप, उसके प्रमोटरों और अन्य के खिलाफ जांच से जुड़ा है। इन पर मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के लिए कंपनी के सुरक्षा गार्ड मुहैया कराने में वित्तीय अनियमितताएं करने का आरोप है। ईडी ने इस मामले में टॉप्स ग्रुप के प्रबंध निदेशक एम. शशिधरन और सरनाईक के कथित सहयोगी अमित चंदोले को गिरफ्तार किया है। सरनाईक को उच्चतम न्यायालय से अंतिरम राहत मिल गई है। (शेष पेज 2 पर)

संपादकीय

बहुरूपिया वायरस आशंका और उत्साह के बीच

अभी पिछले पखवाड़े ब्रिटेन ने टीकाकरण अभियान की शुरूआत कर कोरोना महामारी से जूझती दुनिया को उत्साह से भर दिया था, और अब उसी ब्रिटेन से ऐसी खबर आई जिसने पूरी दुनिया को फिर से सहमा दिया है। खबर यह कि वहां कोरोना वायरस ने अपनी संरचना में बदलाव करते हुए एक ऐसे नए रूप के दर्शन दिए हैं, जो ज्यादा तेजी से फैलता है और जिसे काबू में करने के लिए शायद कामयाब वैक्सीनों में भी कुछ बदलाव करने पड़ें। विशेषज्ञों के मुताबिक वायरस के इस नए रूप में पिछले वाले के मुकाबले करीब 20 बदलाव देखे गए हैं, जिनमें से कुछ इसकी संक्रमण क्षमता से भी जुड़े हैं।

इन बदलावों की वजह से यह नया वायरस पहले के मुकाबले 70 फीसदी ज्यादा तेजी से फैल रहा है। यही नहीं, वैज्ञानिकों के मुताबिक दो बदलाव वायरस के जेनेटिक कोड में भी देखे गए हैं। इससे इस आशंका को बल मिल रहा है कि कहीं इन बदलावों के जरिए यह विषाणु हाल ही में विकसित किए गए टीकों के प्रति रेजिस्टेंट न हो जाए। इन सबका मिला-जुला प्रभाव यह हुआ कि ब्रिटिश सरकार ने देश को एक बार फिर सख्त लॉकडाउन के हवाले कर दिया और तमाम देशों ने ब्रिटेन से आने वाली फ्लाइट्स पर रोक लगा दी। भारत में भी 31 दिसंबर तक के लिए ब्रिटेन से आने वाली फ्लाइट्स बैन हो गई हैं।

लेकिन सारी रोक छेंक के बावजूद ब्रिटेन से निकल कर कोरोना वायरस की यह नई किस्म यूरोप के कई देशों में ही नहीं, इसरायल और ऑस्ट्रेलिया तक फैल चुकी है और डर है कि इस बीच ब्रिटेन से आए यात्रियों के जरिए इसका प्रवेश भारत में भी न हो चुका हो। मायूसी की इस लहर ने दुनिया भर के शेयर बाजारों को अपने चपेट में ले लिया। निफ्टी और सेंसेक्स में भी सोमवार को क्रमशः 3.14 और 3 फीसदी की गिरावट आई। शेयर बाजार तो खैर मंगलवार को इस गिरावट से उबर गए, लेकिन लोगों में आई निराशा इतनी आसानी से नहीं जाने वाली, न ही इसके असर से यूं एक झटके में मुक्ति पाई जा सकेगी।

वैक्सीन आने पर जहां लोग कोविड महामारी को बीती हुई आपदा मानकर दिल को तसल्ली दे रहे थे, वहीं इसके रूप बदलने की खबर ने उन्हें खतरे की गंभीरता को लेकर दोबारा सोचने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि वैज्ञानिक अभी भी कह रहे हैं कि वायरस के इस बदले रूप की हकीकत को ठीक से समझने के लिए उन्हें थोड़ा और वक्त चाहिए। दूसरी बात यह कि तेजी से फैलने की बात पक्की हो तब भी इससे बचने के उपाय पहले जैसे ही रहने हैं। यानी अगर मास्क पहनने, हाथ धोते रहने और शारीरिक दूरी बनाए रखने जैसी सतर्कता कायम रखी जाए और जीवनचर्या दुरुस्त रखी जाए तो वायरस कोई नई करामात दिखाकर हमें अपना शिकार नहीं बना सकता। याद रखने की अकेली बात वही है कि वायरस से जंग लंबी है और इस दौरान हमें हताशा-निराशा के अलावा अति उत्साह से भी खुद को बचाए रखना चाहिए।

मोदी के मंत्री का बयान- किसान आंदोलन के पीछे चीन-पाकिस्तान का हाथ

नई दिल्ली,

नए कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे किसान आंदोलन पर केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा है कि इस आंदोलन के पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ है। केंद्र सरकार में मंत्री रावसाहेब दानवे ने बुधवार को दावा किया कि किसानों का विरोध प्रदर्शन के पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुसलमानों को पहले नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (CAA) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) के लिए गुमराह किया गया था, लेकिन जैसा कि वे अपने प्रयास सफल नहीं हुए, अब किसानों को बताया जा रहा था कि नए कानून के कारण उन्हें नुकसान होगा।

दानवे महाराष्ट्र के जालना जिले के बदनपुर तालुका में कोलते ताकली में एक स्वास्थ्य केंद्र के उद्घाटन पर आए थे, जहां उन्होंने ये सारी बातें कहीं। उन्होंने कहा, ह्लजो आंदोलन चल रहा है वह किसानों का नहीं है। इसके पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ है। इस देश में मुसलमानों को पहले उकसाया गया था। क्या कहा गया था उन्हें? NRC आ रहा है, CAA आ रहा है और मुसलमानों को छह महीने में इस देश को छोड़ना होगा। क्या एक भी मुसलमान गए? वे प्रयास सफल नहीं हुए और अब किसानों को बताया जा रहा है कि उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ेगा। यह अन्य देशों की साजिश है।

हालांकि, मंत्री ने यह नहीं बताया कि किस आधार पर उन्होंने दावा किया कि दोनों पड़ोसी देश किसानों के विरोध के पीछे हैं। उपभोक्ता मामलों के राज्य मंत्री ने कहा, "सरकार 24 रुपये में गेहूं खरीद रही है और चावल 34 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से और लोगों को क्रमशः 2 रुपये और 3 रुपये प्रति किलोग्राम पर दे रही है। सरकार सब्सिडी पर 1.75 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रही है। सरकार किसानों के कल्याण के लिए पैसा खर्च कर रही है।"

बीजेपी नेता ने दावा किया कि केंद्र सरकार की ये पहल बताती है कि वह किसानों के लिए पैसा खर्च करने के लिए तैयार है, लेकिन दूसरे इसे पसंद नहीं करते। दानवे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के प्रधानमंत्री हैं और उनका कोई भी फैसला किसानों के खिलाफ नहीं होगा। शिवसेना ने दानवे को किसानों की हलचल में चीन और पाकिस्तान को घसीटने पर कहा कि बीजेपी लीडर अपने होश से बाहर हैं। शिवसेना के प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद सावंत ने पीटीआई भाषा से कहा कि भाजपा नेता अपने होश से बाहर हैं क्योंकि उन्होंने महाराष्ट्र में सत्ता खो दी है।

बाकी पेज १ का

मांगें नहीं माने जाने तक जारी रहेगा...

सरकार अब भी लोगों की बात सुनने के लिए तैयार नहीं है। लोगों के ऊपर क्या प्रभाव पड़ रहा है, उन्हें क्या दिक्कतें आ रही हैं, उस पर सरकार थोड़ा भी ध्यान नहीं दे रही है। सरकार जानबूझकर अड़ी हुई है।

भारतीय किसान यूनियन के नेता मंजीत सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा किसानों के आंदोलन को कमजोर करने की है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। जल्द ही कई और किसान आंदोलन में शामिल होने के लिए दिल्ली आ रहे हैं।

-यूपी गेट : भारतीय किसान यूनियन के कार्यकताओं के साथ यूपी गेट पर डटे किसान नेता राकेश टिकैत का कहना है कि किसानों का यह प्रदर्शन मांगें नहीं माने तक जारी रहेगा। 14 तारीख को जिला स्तर पर भी प्रदर्शन किया जाएगा।

-बुराड़ी : कृषि कानूनों के विरोध में बुराड़ी के निरंकारी मैदान में डटे किसानों ने आज अर्द्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।

- यूपी गेट : पुलिस के समझाने पर किसानों ने दोनों बैरियर हटा दिए हैं। यातायात पहले की तरह चालू हो गया है। पुलिस ने धरना स्थल पर आ रही किसानों की एक राशन की गाड़ी को रास्ते मे रोक लिया था। इससे नाराज होकर किसानों ने रास्ते बंद कर दिए थे। करीब आधे घंटे तक बंद रहीं दोनों रोड।

जानकारी के अनुसार, सिंघु बॉर्डर पर डटे किसानों ने बुधवार को केंद्र सरकार की ओर से भेजे गए एक प्रस्ताव को पूरी तरह से खारिज कर दिया। किसानों ने ऐलान किया कि पूरे देश में रोज प्रदर्शन होंगे। पंजाब, हरियाणा, यूपी, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 14 तारीख को धरने दिए जाएंगे, जो धरने में शामिल नहीं होगा वो दिल्ली की ओर कूच करेगा। 12 तारीख को जयपुर-दिल्ली हाईवे रोका जाएगा और 12 तारीख को एक दिन के लिए पूरे देश के टोल प्लाजा फ्री कर दिए जाएंगे।

किसान आंदोलन भारत...

ध्यान भटकाने के लिए पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक कर सकती है।पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान ने अपनी सेना को अलर्ट पर रखा है। वहां की अंग्रेजी अखबार डॉन के मुताबिक, एक अधिकारी ने कहा कि भारत द्वारा कई आंतरिक मुद्दों से दुनिया का ध्यान हटाने के लिए कई तरह की योजनाएं बनाई जा रही हैं, जिसमें चल रहे किसान आंदोलन भी शामिल है। उन्होंने कहा भारत किसी भी समय आंतरिक समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए पुलवामा जैसा नाटक दोहरा सकता है और एलओसी और वर्किंग बाउंड्री के साथ कार्रवाई की योजना बना रहा था।इससे पहले जियो न्यूज ने विश्वसनीय सूत्रों का हवाला देकर कहा है कि भारत लाइन ऑफ कंट्रोल (LOC) और भारत-पाकिस्तान सीमा पर हमले की तैयारी कर रहा है। हमले की संभावना को देखते हुए पाकिस्तानी सेना को अलर्ट पर रखा गया है। जियो को सूत्रों ने बताया कि भारत सीमा पर ऐक्शन ले सकता है या सर्जिकल स्ट्राइक कर सकता है जिससे आंतरिक समस्याओं से ध्यान हटा सके। गौरतलब है कि 2016 में भारत ने उड़ी आतंकवादी हमले के बाद पीओके में जाकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था। इस सर्जिकल स्ट्राइक में कई आतंकी मारे गए थे और लॉन्च पैड्स को तबाह कर दिया गया था। इसी तरह पुलवामा हमले के बाद भारत ने 26 फरवरी 2019 को एयरस्ट्राइक के जरिए बालाकोट में आतंकी ठिकाने पर हमला किया था। दोनों ही मौकों पर पाकिस्तान की सेना को भनक तक नहीं लगी।पाकिस्तान पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि असल में पाकिस्तान कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ कराने को लेकर बेचैन है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर नकेल से पाकिस्तान की सरकार, सेना और आईएसआई किसी तरह यहां शांति भंग करने की फिराक में है। लेकिन वह जानते हैं कि किसी भी नापाक साजिश का भारत की ओर से मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। माना जा रहा है कि पाकिस्तान इसी वजह से पहले से ही फर्जी फ्लैग ऑपरेशन का रोना रोने लगा है।

शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक...

शीर्ष अदालत ने आदेश दिया है कि जांच एजेंसी सरनाईक के खिलाफ पीएमएलए की आपराधिक धाराओं के तहत बलपूर्वक कोई कार्रवाई नहीं करेगी।

रोशनी कानून रद्द करने के फैसले...

जो भूमि हड़प़ने वाले नहीं हैं। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस भी थे। पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में याचिकाओं के लंबित रहने से उच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनवाई में कोई असर नहीं पड़ेगा। जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय ने नौ अक्टूबर को रोशनी कानून को गैर कानूनी और असंवैधानिक बताया था और सीबीआई को इस कानून के तहत भूमि आवंटन की जांच करने का आदेश दिया था। रोशनी कानून को 2001 में लागू किया गया था। इसका मकसद ऊर्जा परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाना और राज्य की भूमि पर बसे लोगों को उसका मालिकाना हक हस्तांतरित करना था।

किसान आंदोलन के दौरान कैसी है ...

एनजीओ से जुड़े एक वॉलिन्टियर डॉ कंवर पाल सिंह ने इस तरह के कई शिविर लगाए हैं, उन्होंने बताया कि लोग ज्यादातर बुखार और गले में खराश की शिकायत करते हैं। वो कहते हैं कि प्रदर्शनकारियों कोविड -19 महामारी के बीच सभी सावधानी बरत रहे हैं। डॉक्टरों और स्वयंसेवकों ने कहा कि कई लोगों में पहले से ही स्वास्थ्य समस्याएं हैं, जिसके लिए उन्हें नियमित दवाओं और स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता है।

एनजीओ से जुड़े एक स्वयंसेवक ने कहा, ह्लहमारे स्वयंसेवक यहां चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं। यहां एम्बुलेंस सेवा और यहां तक कि सर्जन भी उपलब्ध हैं। 1 किमी की दूरी के भीतर दो अस्पताल, प्रदर्शनकारियों को छोटी समस्याओं के लिए मुफ्त उपचार प्रदान कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शिविर इस तनावपूर्ण वातावरण में भी उन्हें स्वस्थ रखने में बहुत मदद करते हैं। किसान, ज्यादातर पंजाब से हैं और तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं, जो विपक्षी दलों द्वारा आपत्ति के बावजूद संसद में ध्वनिमत से पारित किए गए थे।

कोरोना के टीके के लिए अभी करना पड़ेगा और इंतजार

नई दिल्ली, कोरोना के एक या उससे अधिक टीकों को यदि आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिलती है तो उनका इस्तेमाल बेहद सीमित होगा। बड़े पैमाने पर टीकाकरण के लिए टीके को अंतिम मंजूरी तक इंतजार करना होगा। तीन कंपनियों ने ड्रग कंट्रोलर से टीकों के आपात इस्तेमाल की मंजूरी मांगी है। दवा नियामक ने कंपनियों द्वारा पेश आंकड़ों की पड़ताल शुरू कर दी है। आमतौर पर महामारी या महामारी जैसी परिस्थितियों में किसी दवा या टीके को आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी जाती है। यह पहला मौका है जब किसी टीके के लिए आपात मंजूरी दी जा रही है, जबकि दवाओं के मामले में ऐसा कई बार हो चुका है। बर्ड फ्लू के समय में टेमिफ्लू दवा के आपात इस्तेमाल की मंजूरी भारत में ही नहीं पूरी दुनिया में दी गई थी। दवा विशेषज्ञ एवं मिम्स जर्नल के संपादक डॉ. सीएम गुलाटी ने कहा कि आपात मंजूरी तत्काल इस्तेमाल के लिए होती है, लेकिन ऐसी दवा या टीके का सीमित इस्तेमाल ही किया जाता है। जैसे सरकार ने स्वास्थ्यकर्मियों को प्राथमिकता के आधार पर कोरोना टीकाकरण की बात कही है और सबसे पहले एक करोड़ स्वास्थ्यकर्मियों को टीका लगना है, लेकिन आपात मंजूरी के तहत इतने बड़े पैमाने पर टीकाकरण नहीं होगा बल्कि कुछ हजार लोगों में इसकी शुरूआत कर आंकड़ों को देखा जाएगा।

सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बायोटेक के परीक्षण देश में हुए हैं, लेकिन सीरम के तीसरे चरण के आंकड़े अभी आने हैं, जबकि भारत में बायोटेक का तीसरा चरण अभी पूरा होने को है। भारत बायोटेक के तीसरे चरण के परीक्षण 26000 लोगों पर हो रहे हैं, लेकिन सीरम इंस्टीट्यूट के परीक्षण 1600 लोगों पर हुए हैं। सीरम के टीके कोविशील्ड जो आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का टीका है, उसके ब्रिटेन एवं ब्राजील में 11636 लोगों पर परीक्षण हुए हैं। इसमें उसकी प्रभावकारिता एक डोज में 90 तथा दो डोज में 70 फीसदी दर्ज की गई है। भारत के आंकड़े अभी सार्वजनिक नहीं हुए हैं। फिलहाल, मौजूदा स्थिति में आपात मंजूरी को लेकर फाइजर टीके की दावेदारी ज्यादा मजूबत है। उसके छह देशों में 43 हजार से अधिक लोगों पर परीक्षण हुए हैं और प्रभावकारिता 95 फीसदी रही है। हालांकि उसके भंडारण को लेकर चुनौतियां हैं। इस मामले में वैज्ञानिकों के समक्ष एक चुनौती यह भी है कि अभी तक आपात मंजूरी दवाओं को दी जाती थी, लेकिन पहली बार टीके को दी जा रही है। दवा बीमार व्यक्ति को दी जाती है और एक बार में ऐसे मरीजों की संख्या सीमित होती है, जबकि टीका स्वस्थ व्यक्ति को दिया जाता है। इसलिए नियामक आंकड़ों की गहन पड़ताल करेगा।

सत्यमेव जयते
महाराष्ट्र शासन

भारतीय संविधान के शिल्पकार

महामानव

भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को
महापरिनिर्वाण दिन के अवसर पर

विनम्र अभिवादन!

कोरोना वायरस संक्रमण की पृष्ठभूमि पर ऑनलाईन अभिवादन के लिए भेंट दे :
/MahaDGIPR /maharashtradgipr

उद्धव बाळासाहेब ठाकरे
मुख्यमंत्री

अजित पवार
उपमुख्यमंत्री

बाळासाहेब थोरात
मंत्री, महसूल

सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र शासन

वैक्सीन के बावजूद रहेंगे प्रतिबंध, अगली सर्दियों तक लगाना पड़ सकता है मास्क

नई दिल्ली, कोरोना से लड़ने के लिए ब्रिटेन में लोगों को वैक्सीन लगाने का काम भले ही शुरू हो गया है लेकिन प्रतिबंधों से उन्हें तत्काल राहत की उम्मीद कम है। ब्रिटेन की बोरिस जॉनसन के नेतृत्व वाली सरकार का मानना है कि हम भले ही वैक्सीन लाने वाले पहले देश बन गए हैं और निश्चित तौर पर यह बहुत बड़ी कामयाबी है, लेकिन हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि हम लापरवाह न बनें। संभव है कि वैक्सीन के बावजूद अगली सर्दियों में भी ब्रिटेन के लोगों को मास्क लगाना पड़े। ब्रिटेन की सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार पैट्रिक वालेंस के मुताबिक, टीकाकरण के साथ ही अगर लोग सावधानी रखेंगे तो यह उनके लिए और भी बेहतर होगा। इसके साथ ही प्रतिबंध भी लागू रहेंगे, क्योंकि फिलहाल इनका कोई विकल्प नहीं है। इससे पहले अक्तूबर में भी पैट्रिक वालेंस ने आशंका जताई थी कि कोरोना वायरस वैक्सीन से भी खत्म नहीं होगा और सामान्य फ्लू की तरह ही हर साल इसके संक्रमण के मामले सामने आते रहेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा था कि वैक्सीन लेने से संक्रमण की संभावना कम तो होगी और वायरस की वजह से होने वाली बीमारियों की रफ्तार भी कम हो जाएगी।

क्रिसमस से पहले छूट :

ब्रिटेन की सरकार ने एक महीने के लॉकडाउन के बाद क्रिसमस से पहले लोगों को टियर-3 और टियर-4 स्तर के सख्त प्रतिबंधों से थोड़ी राहत दी है। हालांकि, इस दौरान बाजारों में खूब भीड़ हो रही है। खरीदारी करने वाले लोगों की सड़कों पर लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। सरकार ने लोगों से अपील की है कि पैनिक शॉपिंग से बचें। लोग सामाजिक दूरी के नियम को भी दरकिनार करते दिख रहे हैं। वहां विपक्षी सांसद प्रतिबंधों को लेकर लंबे समय से जॉनसन सरकार का विरोध कर रहे हैं। सरकार जल्द ही नई पाबंदियों की घोषणा कर सकती है।

रूस में भी राहत नहीं :

रूस ने स्पूतनिक-५ टीका लगाना शुरू कर दिया है। दूसरे सबसे बड़े शहर सेंट पीट्सबर्ग में इस सप्ताह अधिकारियों ने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए अतिरिक्त प्रतिबंधों की घोषणा की है। स्थानीय अधिकारियों ने रेस्तरां, कैफे और बार 30 दिसंबर से तीन जनवरी के बीच बंद करने का आदेश दिया है। संग्रहालय, थिएटर, कॉन्सर्ट हॉल आदि 30 दिसंबर से 10 जनवरी के बीच बंद रहेंगे। रेस्तरां, कैफे और बार 25 दिसंबर से 29 दिसंबर तक शाम सात बजे बंद कर दिए जाएंगे और फिर चार से 10 जनवरी के बीच इसी समय बंद किए जाएंगे।

जर्मनी प्रतिबंध सख्त करेगा :

जर्मनी के स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि फिलहाल जो हालात हैं उन्हें गंभीरता से लेना होगा। हमारे पास अब प्रतिबंधों को सख्त करने के अलावा ज्यादा विकल्प नहीं हैं। देश में जल्द ही तमाम स्कूल बंद किए जा सकते हैं। इसके अलावा गैर जरूरी दुकानें भी बंद की जा सकती हैं। माना जा रहा है कि सरकार लॉकडाउन भी घोषित कर सकती है।

इटली में भी हालात बिगड़े :

यूरोप के एक और देश इटली में भी हालात नहीं सुधरे हैं। यहां मरने वालों का आंकड़ा 60 हजार के पार हो चुका है। बीते एक सप्ताह से यहां रोजाना 20 से 22 हजार संक्रमण के नए मामले सामने आ रहे हैं। कोरोना ने मौतों के मामले में इटली दुनिया में इस वक्त छठवें स्थान पर है।

भारत में करीब 15 करोड़ नमूनों की जांच हुई

मुंबई, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि देश में कोविड-19 के प्रतिदिन औसत 10 लाख से अधिक परीक्षण किए जा रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि नए संक्रमितों की कुल संख्या का स्तर कम बना हुआ है और इनमें कमी भी आ रही है। उसने बताया कि भारत में लगभग 15 करोड़ नमूनों की कोरोना वायरस संबंधी जांच हो चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की पुष्टि की राष्ट्रीय दर 6.50 प्रतिशत बनी हुई है। संक्रमण के प्रतिदिन पुष्ट मामलों की दर 3.14 फीसदी है। मंत्रालय ने कहा कि बहुत अधिक संख्या में जांच होने से संक्रमण की दर कम हुई है। इसमें बताया गया कि 19 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में संक्रमण के पुष्ट मामलों की साप्ताहिक दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। भारत में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। अभी उपचाराधीन मरीजों की संख्या 3,78,909 है जो कुल मामलों का 3.89 फीसदी है। प्रतिदिन संक्रमण मुक्त होने वाले लोगों की संख्या संक्रमण के प्रतिदिन सामने आने वाले नए मामलों से अधिक है। भारत में कोविड-19 के मामले बुधवार को 97.35 लाख के पार पहुंच गए, जिनमें से 92 लाख से अधिक लोगों के ठीक होने के साथ ही देश में मरीजों के ठीक होने की दर बढ़कर 94.66 प्रतिशत हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 के 32,080 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 97,35,850 हो गए। वहीं, 402 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,41,360 हो गई। वहीं, बीते 24 घंटे में 36,635 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल 92,15,581 लोगों के ठीक होने के साथ ही मरीजों के ठीक होने की दर 94.66 प्रतिशत हो गई है। वहीं, कोविड-19 से मृत्यु दर 1.45 प्रतिशत है। देश में लगातार तीन दिनों से उपचाराधीन लोगों की संख्या चार लाख से कम है।

राजस्थान कांग्रेस प्रभारी अजय माकन बोले, पहले संगठन फिर मंत्रिमंडल में होगा फेरबदल

जयपुर, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के संगठन और राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर प्रभारी अजय माकन के बयान ने अचानक हलचल पैदा कर दी है। माकन ने बताया कि राजस्थान कांग्रेस में 31 जनवरी तक संगठन और राजनीतिक नियुक्तियों का काम पूरा कर लिया जाएगा लेकिन वरिष्ठ विधायकों की नजरें मंत्रिमंडल फेरबदल पर है। सूत्रों के अनुसार संगठन और राजनीतिक नियुक्तियों के बाद मंत्रिमंडल फेरबदल का काम भी होगा। हालांकि फरवरी में बजट सत्र है इसलिए इस सत्र के पूरा होने के बाद ही मंत्रिमंडल में बदलाव होंगे। संगठन और राजनीति नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही कांग्रेस पार्टी में जिस तरह के बयान सामने आए हैं उसे देखते असंतोष के स्वर एक बार फिर से सुनाई दे रहे हैं। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी अजय माकन ने बयान दिया है गहलोत सरकार को कोई खतरा नहीं और सचिन पायलट कांग्रेस के एसेट हैं। माकन के बयान को लेकर राजस्थान कांग्रेस के खेमों में उधेड़बुन चल रही है। इसके सियासी मायने यह लगाए जा रहे हैं कि राजस्थान में गहलोत बदले नहीं जाएंगे क्योंकि अहमद पटेल के निधन के बाद पवन बंसल को कांग्रेस कोषाध्यक्ष का कार्यकारी चार्ज ही दिया गया।

CONGRATULATION FROM HARPAL TIMES , HAR PAL TV NEWS, CHAIRMAN JAMEEL G. KHAN , MUMBAI, INDIA

JUNANI FOUNDATION N.G.O.
Mumbai Maharashtra State, 2018 G.B.B.S.D. Regd. No. : 1690/2018
In Association With
Vedant Hospital Thane - ghodbunder
Ki Taraf Se Aap Sabhi Logon Ke Liye Ek Khushkhabari
Hai Har Saal Ki Tarah Is Saal Bhi Medical Camp
27-12-2020 Sunday Time : 9:00 AM To 4:00 PM
Ko Rakha Gaya Hai

SERVICES PROVIDED IN MEDICAL CAMP
⇨ Free Medical Checkup
⇨ Free Homeopathic Checkup with Medicine
⇨ Free Eye Checkup with Free Spec (If Needed)
⇨ Free Arsenic Album 30 Homeopathic Medicine Immunity Booster
⇨ Free Mask For Prevention Against COVID-19
⇨ Free Heart Checkup
⇨ Free Diabetes Checkup
⇨ Free Blood Pressure Checkup
⇨ Free ECG Checkup
⇨ Free Angioplasty And Bypass Operation By Dr. Abrar At Vedant Hospital- Ghodbunder For Middle Class (Yellow or Orange Ration Card And Aadhar Card Compulsory)
⇨ Free Breast Cancer Surgery By Dr. Sachin Kadam (ONCO-Surgeon)(Cancer Sergeon) At Vedant Hospital- Ghodbunder For Middle Class (Yellow or Orange Ration Card And Aadhar Card Compulsory)

Aap logo ka har tarah ka ilaaj Free kiya jayega

VENUE
CUTCHI MEMON JAMAT KHANA,
OPPOSITE ISMAIL HABIB MASJID,
131, KAMBEKAR STREET, MUMBAI- 400003.

ORGANISED BY
SALEEM A.S. JUNANI
MAHARASHTRA VICE PRESIDENT
MOBILE: 9004986904

हर पल टाईम्स व हरपल टीवी न्यूज

क्राईम द मोस्ट वांटेड व क्राईम इंन्वेस्टिगेशन न्यूज देश के सभी जगहों पर हमारी खास न्यूज बतायी जा रही है अगर आपको, मोबाईल और लेपटॉप, पर देखनी हो तो www.harpaltvnews.com1 टाइप करके देखिये या crimeinvestigationharpaltv.com टाईप करके सभी खबरें देख सकते हैं, अगर आपको हमसे संपर्क करना है तो हमारा नंबर है ७४९८५३५२८६ अगर आपको खबर भेजना है तो ईमेल करें :
Email-harpaltimes.press@gmail.com

कम से कम फीस में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया की टेनिंग दी जा रही है..
सपर्क करें: ७०२१४२५४४२

मालक, मुद्रक, प्रकाशक वसीम जे. खान ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई -४० ००८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५ डी/ १. शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई - ४ ० ० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादकः वसीम जे. खान. RNI NO:- MAHHIN/2011/24374
Email--harpaltimes.press@gmail.com 074985 35286 (सभी विवाद निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र मुंबई, महाराष्ट्र होगा।)